Sl. No.	Question	Answer	Briefing
1	पटेल : एक जीवनी' किसने लिखी है ?	राजमोहन गाँधी - Rajmohan Gandhi	राजमोहन गाँधी द्वारा लिखित "पटेल : एक जीवनी" पुस्तक वल्लभभाई की पूरी जीवनी बताती है। पत्राचारों और डायरियों से प्राप्त सामग्रियों से रचित यह पुस्तक, जिसमें उनकी पुत्री मणिबेन द्वारा संग्रहित सरदार के पत्रों और स्मरणीय डायरी भी शामिल हैं, सरदार पटेल की प्रामाणिक, आत्मीय और पूर्ण विवरण प्रस्तुत करती है। राजमोहन गाँधी (1935 में जन्म), महात्मा गाँधी के पौत्र, एक जीवनीकार तथा अर्बाना-चैम्पेन, यूएसए के दक्षिण एशियाई और मध्य पूर्व अध्ययन, इल्लिनॉयस विश्वविद्यालय में अनुसंधान प्राध्यापक हैं।
	Who wrote 'Patel: A Life'?	बलराज कृष्ण - Balraj Krishna	"Patel: A Life" by Rajmohan Gandhi tells the full story of the life of Vallabhbhai. Built from correspondence and diaries, including the Sardar's letters and the remarkable diary kept by his daughter Manibhen, the book gives an authentic, intimate and complete account. Rajmohan Gandhi (born 1935), grandson of Mahatma Gandhi, is a biographer and a research professor at the Center for South Asian and Middle Eastern Studies, University of Illinois at Urbana-Champaign, USA.
		सिकता पंडा - Sikata Panda	

2	सरदार वल्लभभाई पटेल कितनी बार अहमदाबाद के नगर अध्यक्ष चुने गए ?	दो बार - Two times	सरदार वल्लभभाई पटेल को 1922, 1924 और 1927 में अहमदाबाद के नगर अध्यक्ष के रूप में चुना गया।उनके कार्यकाल के दौरान, अहमदाबाद को बिजली की अत्यधिक आपूर्ति हुई और वहाँ प्रमुख शैक्षिक सुधार हुए। पूरे शहर में जल-निकासी और साफ-सफाई की प्रणाली विस्तारित की गयी।
	How many times was Sardar Vallabhbhai Patel elected as	तीन बार - Three times	Sardar Vallabhbhai Patel was elected Ahmedabad's Municipal President in 1922, 1924 and 1927. During his terms, Ahmedabad was extended a major supply of electricity and underwent major education reforms. Drainage

	the Ahmedabad's Municipal President?		and sanitation systems were extended over all the city.
		चार बार - Four times	

3	जब ब्रिटिश सरकार ने 'बारदोली सत्याग्रह' पर समझौता करने का निर्णय लिया, निम्न में से कौन सी शर्त सरदार वल्लभभाई द्वारा रखी गयी ?	मूल जमीन मालिकों को जब्त जमीन की पुनर्वापसी की जाए - Restoration of forfeited lands to original landowners	भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन के इतिहास में गुजरात का बारदोली सत्याग्रह एक प्रमुख विद्रोह था। बारदोली में प्राकृतिक आपदाओं के बाद ब्रिटिश सरकार द्वारा अस्वाभाविक कर वृद्धि के बाद प्रतिक्रिया स्वरुप यह विद्रोह शुरू हुआ। इस आन्दोलन का प्रभावी नेतृत्व पटेल द्वारा किया गया। अंत में, 1928 में, सरकार कुछ शर्तों के साथ सहमत हुई ताकि स्थिति और अधिक नहीं बिगड़े। उसने जब्त सम्पतियों को लौटाने तथा 30% कर के पूर्व निर्णय की दर को 6.03 % कर दिया। सरकार उस वर्ष राजस्व न वसूलने का निर्णय लेने को बाध्य हुई।
	When British Government decided to compromise over 'Bardoli Satyagraha', which of the following was one of the conditions dictated by Sardar Vallabhbhai?	खेदा नगर आयुक्त को बर्खास्त किया जाए - Kheda Municipal Commissioner must be removed	The Bardoli Satyagraha in Gujarat was a major revolt in the history of Indian Independence Movement. This revolt broke out at the back drop of irrelevant tax hike by British Government post natural calamities in Bardoli. The movement was effectively led by Patel. Finally, in 1928, government agreed on certain terms and conditions to save it from any further disgrace. It decided to restore the seized properties and reduced the rate of increase in tax to mere 6.03% as against the earlier rate of 30%. Interestingly, government was bound to cancel revenue collection for that year.
		खेदा नगर आयुक्त को बर्खास्त किया जाए - Kheda Municipal गाँधी जी को बिना शर्त जेल से रिहा किया जाए - Gandhiji should be released from the prison unconditionally	

4	कांग्रेस के किस अधिवेशन में सरदार पटेल को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल का अध्यक्ष चुना गया ?	मद्रास अधिवेशन (1927) - Madras session (1927)	सरदार पटेल को 29-31 मार्च के दौरान कराची में आयोजित 45वें अधिवेशन के लिए राष्ट्रीय कांग्रेस दल का अध्यक्ष चुना गया । उस अधिवेशन में गाँधी - इरविन समझौते को अनुमोदित किया गया । इसके अलावा, कराची अधिवेशन संशोधित संकल्प के कारण स्मरणीय बना क्योंकि पहली बार संकल्प में आम लोगों के लिए स्वराज का अर्थ समझाने की कोशिश की गयी थी ।
	In which session Sardar Patel was elected as the president of Indian National Congress Party?	लाहौर अधिवेशन (1929) - Lahore session (1929)	Sardar Vallabhbhai Patel was elected as the president of INC for 45th Session held at Karachi from March 29 to 31, 1931. The Gandhi Irwin Pact was endorsed by the Congress in the Session. Moreover, the redrafted resolution made the Karachi Session memorable, because for the first time, the resolution tried to define what would be the meaning of Swaraj for common people.
		कराची अधिवेशन (1931) - Karachi session (1931)	

5	भारतीय सेना द्वारा 'ऑपरेशन पोलो' की कार्यवाही निम्न में से किस घटना से संबद्ध है ?	भारतीय संघ में 'हैदराबाद' का अधिमिलन - Accession of 'Hyderabad' to the Indian Union	हैदराबाद पुलिस कार्यवाही का कूट- नाम ऑपरेशन पोलो था। सितम्बर, 1948 में 'भारतीय सैन्य बल' द्वारा निजाम को पदच्युत करने एवं राज्य को भारतीय संघ में मिलाने के लिए सैनिक कार्रवाई की गयी थी।
	'Operation Polo', an action by Indian Army, is associated with which of the following event?	भारतीय संघ में 'जोधपुर' का अधिमिलन - Accession of 'Jodhpur' to the Indian Union	Operation Polo, the code name of the Hyderabad 'Police Action'. It was a military operation by 'Indian Armed Forces' in September 1948 to overthrow its Nizam and annex the state into the Indian Union.
		भारतीय संघ में 'जूनागढ़' का अधिमिलन - Accession of 'Junagarh' to the Indian Union	

6	1930 में सरदार पटेल को _____ में भाग लेने के लिए कैद किया गया।	बारदोली सत्याग्रह - Bardoli Satyagraha	समुद्री जल से नमक उत्पादन के लिए महात्मा गाँधी द्वारा शुरू किया गया नमक सत्याग्रह औपनिवेशिक भारत में अहिंसक एवं सविनय अवज्ञा आन्दोलन था। स्थानीय जनता द्वारा नमक का उत्पादन किया जाता था, जब तक अंग्रेज अधिकारियों ने नमक उत्पादन पर कराधान लागू नहीं किया था। नमक सत्याग्रह से संबद्ध 'दांडी विरोध यात्रा ' 12 मार्च, 1930 को साबरमती आश्रम से शुरू किया गया। गाँधी जी ने 78 सत्याग्रहियों के साथ दांडी के तटीय गाँव तक 390 किलोमीटर की यात्रा की थी। सरदार पटेल को 7 मार्च को गिरफ्तार किया गया, जब वे बरसाड़ जाकर गाँधी जी तथा सत्याग्रहियों के स्वागत के लिए ग्रामीणों को तैयार कर रहे थे।
	In 1930 Sardar Vallabhbhai Patel was imprisoned for participating in_____.	नमक सत्याग्रह - Salt Satyagraha	The Salt Satyagraha, was an act of nonviolent civil disobedience in colonial India initiated by Mahatma Gandhi to produce 'Salt' from 'Seawater'. As was the practice of the local populace until British officials introduced taxation on salt production. The 'Dandi protest March', associated with Salt Satyagraha, began on March 12, 1930 from Sabarmati Ashram. Gandhiji with 78 Satyagrahis walked 390 km to reach the coastal village of Dandi. Sardar Vallabhbhai Patel was arrested on March 7 when he went to Borsad to prepare the villagers so as to accord Gandhiji and the Satyagrahis a welcome when they passed through the area.
		असहयोग आन्दोलन - Non-Cooperation movement	

7	किसने कहा था कि "वल्लभभाई ने भारत के लिए एक दिन भी पहले जन्म नहीं लिया था, पर दुख की बात है कि बहुत पहले उनकी मृत्यु हो गयी" ?	सी राजागोपालाचारी - C. Rajagopalachari	ूर्वी पाकिस्तान में हिंसा बढ़ जाने की वजह से सरदार 1950 में कलकत्ता गये। पटेल ने इस मुद्दे पर पाकिस्तान के साथ दृढ़ता के साथ बात की। उसके तुरंत बाद ही पटेल का स्वास्थ्य बिगड़ने लगा और वे 15 दिसम्बर, 1950 को गुजर गये। जब गवर्नर जनरल सी राजागोपालाचारी ने पटेल की मृत्यु की खबर सुनी तो कहा कि वल्लभ भाई ने भारत के लिए एक दिन भी पहले जन्म नहीं लिया था, पर दुख की बात है कि बहुत पहले उनकी मृत्यु हो गयी। अच्छा होता कि वे इतनी जल्दी काल कवलित नहीं होते ऐसे समय में जब कुछ और दिनों उनकी सर्वाधिक आवश्यकता थी। सरदार पटेल को मरणोपरान्त 1991 में भारत रत्न से विभूषित किया गया।
	Who said that "Vallabhbhai was born not a day too soon for India. But alas he died too soon."?	पंडित जवाहरलाल नेहरू - Pt. Jawaharlal Nehru	Sardar went to Calcutta in 1950 because of escalation of violence in East Pakistan. Patel dealt with Pakistan firmly on the issue. Not long afterwards, Patel's health deteriorated and he died on December 15, 1950. C. Rajagopalachari, the Governor General, had this to say when he heard about Patel's death: "Vallabhbhai was born not a day too soon for India. But alas he died too soon. India wishes he had not found his rest in the mother's lap so hurriedly when he was so much wanted for some time longer." Sardar Patel was awarded Bharat Ratna in 1991 posthumously.
		मौलाना आज़ाद - Maulana Azad	

8	भारत-पाक सीमा को _____ कहा जाता है ।	लाइन ऑफ कंट्रोल - Line of Control	भारत के विभाजन के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच सीमा को रेखांकित करने वाली रैडक्लिफ लाइन 17 अगस्त, 1947 को प्रकाशित की गयी। इसका नामकरण इसके निर्माता सर सिरील रैडक्लिफ, दो सीमा आयोग के अध्यक्ष, के नाम से किया गया। इसका पश्चिमी क्षेत्र आज भारत-पाक सीमा तथा पूर्वी क्षेत्र भारत-बांग्लादेश सीमा को रेखांकित करता है।

	Indo-Pak border is known as _____	रैडक्लिफ लाइन - Radcliffe Line	The Radcliffe Line was published on 17 August 1947 as the line demarcating the border between India and Pakistan upon the Partition of India. It was named after its architect, Sir Cyril Radcliffe, Chairman of the two Boundary Commissions Its western side today serves as the Indo-Pakistani border and the eastern side serves as the India-Bangladesh border.
		मैकमोहन लाइन - Mc Mohan Line	

9	ब्रिटिश इंडिया के रजवाड़ों के लिए 'रजवाड़ों की सभा (नरेंद्र मंडल)' का कब गठन किया गया ?	1920	जवाड़ों की सभा (नरेंद्र मंडल) नामक संस्था का गठन राजा-सम्राट जॉर्ज पंचम की राजकीय घोषणा द्वारा स्थापित की गयी, जिसका उद्देश्य एक मंच प्रदान करना था ताकि भारत के रजवाड़ों के शासक अपनी आशा-आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए अंग्रेजी राज की सरकार के समक्ष अपनी बात रख सकें। 1947 में ब्रिटिश राज की समाप्ति तक यह संस्था बनी रही।
	When was the 'Chamber of Princes (Narender Mandal)', a forum for princely states of British India, formed?	1923	The Chamber of Princes (Narender Mandal) was an institution established in 1920 by a royal proclamation of King-Emperor George V to provide a forum in which the rulers of the princely states of India could voice their needs and aspirations to the government of British India. It survived until the end of the British Raj in 1947.
		1938	

10	भारत की स्वाधीनता एवं विभाजन पर यह एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय बैठक थी। यह बैठक कब आयोजित की गयी ?	30 मई, 1947 - May 30, 1947	2 जून, 1947 की बैठक में भारत की स्वाधीनता और विभाजन को स्वीकृति प्रदान की गयी। सरदार पटेल के बाद बाएँ हैं; जवाहर लाल नेहरू, लार्ड माउंटबेटन, एम ए जिन्ना, लियाकत अली (जिन्होंने पाकिस्तान के प्रथम राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया), अब्दुर रब निस्तार (परवर्ती काल में पाकिस्तान के पंजाब में गवर्नर बने) सरदार बलदेव सिंह (भारत के प्रथम रक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया) और जे बी कृपलानी जो

			1947 में सत्ता हस्तान्तरण के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष थे।
	It’s an important trilateral meeting on independence and partition of India. When did the meeting take place?	2 जून, 1947 - June 2, 1947	The June 2, 1947 meeting accepted independence and partition of India. Clockwise after Sardar Patel are Jawaharlal Nehru, Lord Mountbatten, M A Jinnah, Liaqat Ali (served as the first Prime Minister of Pakistan), Abdur Rab Nishtar (later became the Governor of Punjab, in Pakistan), Sardar Baldev Singh (served as the first Defence Minister of India) and J B Kripalani who was President of Indian National Congress during the transfer of power in 1947.
		13 अगस्त, 1947 - August 13, 1947	

11	लंदन में गोलमेज़ सम्मेलन की विफलता के बाद गाँधी और पटेल को गिरफ्तार किया गया और जनवरी 1932 में जेल में डाल दिया गया। उन्हें किस जेल में रखा गया ?	अंडमान एवं निकोबार जेल - Andaman & Nicobar Jail	गोलमेज़ सम्मेलन की विफलता के बाद, गाँधी और पटेल को जनवरी, 1932 में कैद कर लिया गया और उन्हें यरवदा केन्द्रीय जेल में रखा गया, जब संघर्ष की शुरूआत हुई। जेल की इस अवधि के दौरान पटेल और गाँधी की आत्मीयता बढ़ी और दोनों में प्रेम, विश्वास और स्पष्टवादिता का प्रगाढ़ बंधन विकसित हुआ। गाँधी जी के सचिव महादेव देसाई ने गाँधी जी और पटेल के बीच वार्तालाप का लेखा जोखा रखा। परवर्ती काल में पटेल को नासिक के जेल में स्थानांतरित कर दिया गया।
	Gandhi and Patel were arrested and imprisoned in January 1932 after the failure of the Round Table Conference in	गोवा जेल - Goa Jail	Upon the failure of the Round Table Conference in London, Gandhi and Patel were arrested in January 1932 and imprisoned in the Yeravda Central Jail, when the struggle re-opened. During this term of imprisonment, Patel and Gandhi grew close to each other, and the two developed a close bond of affection, trust, and frankness. Gandhi's secretary Mahadev Desai kept detailed records of conversations between Gandhi and

	London. Where was they imprisoned?		Patel. Patel was later moved to a jail in Nasik.
		यरवदा केन्द्रीय जेल - Yeravda Central Jail	

12	“भारत का बिस्मार्क - सरदार वल्लभभाई पटेल” पुस्तक किसने लिखी ?	राजमोहन गाँधी - Rajmohan Gandhi	यह पुस्तक भारत की स्वाधीनता और एकता के कार्य में सरदार पटेल के अद्भुत और असाधारण योगदानों की पड़ताल करती है जिसमें गाँधीजी के सत्याग्रह और भारतीय स्वाधीनता संग्राम को उनका निर्भीक समर्थन तथा सशक्त और एकीकृत भारत के निर्माण में उनके साहसिक दृष्टिकोण और दूरदर्शिता का वर्णन है।
	Who wrote “India's Bismarck - Sardar Vallabhbhai Patel”?	सिकता पंडा - Sikata Panda	This book examines the unique and extraordinary contribution of Sardar Patel to the cause of Indian independence and unity, from his unflinching support to Gandhi's satyagrahas and the Indian freedom struggle, to his farsighted and courageous approach in building a strong, integrated India.
		बलराज कृष्ण - Balraj Krishna	

13	"टाइम" पत्रिका (यूएस) के किस अंक के आवरण पृष्ठ पर सरदार पटेल को दर्शाया गया ?	13 जनवरी, 1947 - January 13, 1947	"टाइम" पत्रिका के 27 जनवरी, 1947 के अंक (खंड XLIX सं. 4) में सरदार वल्लभभाई पटेल को उसके आवरण पृष्ठ पर "इंडियाज वल्लभभाई पटेल : अ बॉल्ड डायलेमा एंड अ शार्प राइट हार्न" की टैग लाइन के साथ दर्शाया गया। यह एक अमेरिकी साप्ताहिक पत्रिका है जिसका प्रकाशन न्यूयार्क शहर से होता है।
	Which of the following issues of the “TIME” magazine (US) featured Sardar Vallabhbhai	20 जनवरी, 1947 - January 20, 1947	January 27, 1947 (Vol. XLIX No. 4) issue of the “TIME” magazine, an American weekly news magazine published in New York City, featured Sardar Vallabhbhai Patel on their cover with a tag line ‘India's Vallabhbhai Patel: A bald dilemma and a sharp right horn.’

	Patel on their cover?		
		27 जनवरी, 1947 - January 27, 1947	

14	सरदार पटेल के ठीक दाहिने ओर के व्यक्ति को पहचानें । (एकदम दाहिने - मौलाना आज़ाद और एकदम बाएं - सुभाष चन्द्र बोस हैं)	ख़ान अब्दुल गफ्फार ख़ान - Khan Abdul Ghaffar Khan	सरदार पटेल वर्धा में उद्योगपति और स्वाधीनता सेनानी जमनालाल बजाज (ठीक दाहिने), मौलाना आज़ाद और सुभाष चन्द्र बोस के साथ। जमनालाल बजाज महात्मा गाँधी के आत्मीय सहयोगी और अनुयायी थे। कहा जाता है कि गाँधी जी ने उन्हें अपना दत्तक पुत्र मान लिया था। उन्होंने 1926 में बजाज कम्पनी समूह की स्थापना की ।
	Identify the personality immediate right of Sardar Patel (at extreme right – Maulana Azad, at extreme left - Subhas Chandra Bose).	जमनालाल बजाज - Jamnalal Bajaj	Sardar Patel, with along with industrialist and freedom fighter Jamnalal Bajaj, (immediate right), Maulana Azad and Subhas Chandra Bose in Wardha.Jamnalal Bajaj was also a close associate and follower of Mahatma Gandhi. Gandhi is known to have adopted him as his son. He founded the Bajaj Group of companies in 1926.
		जे बी कृपलानी - J B Kripalani	

15	यह कौन है ?	जवेरभाई पटेल - Jhaverbhai Patel	विट्ठलभाई पटेल गुजरात के नडियाद जिले के पाँच पटेल बंधुओं में से तीसरे थे। वे सरदार वल्लभभाई पटेल से चार वर्ष बड़े थे। उन्होंने गोधरा एवं बरसाड़ में वकील (कनिष्ठ वकील) के रूप में कार्य किया। यद्यपि भारतीय स्वाधीनता संग्राम में विट्ठलभाई कम परिचित राजनीतिज्ञ हैं, फिर भी स्वाधीनता आन्दोलन में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी।

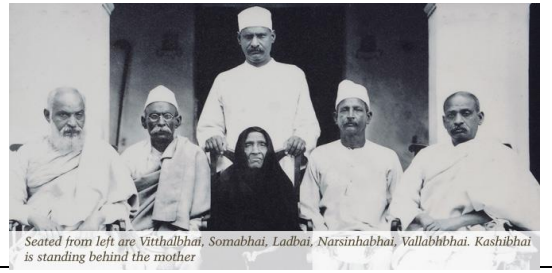

Seated from left are Vitthalbhai, Somabhai, Ladbai, Narsinhabhai, Vallabhbhai. Kashibhai is standing behind the mother

	Who is he?	विट्ठलभाई पटेल - Vithalbhai Patel	Vithalbhai Patel was born as the third of the five Patel brothers in Nadiad district in of Gujarat. He was four years elder to Sardar Vallabhbhai Patel. He worked as a pleader (junior lawyer) at Godhra and Borsad. Though Vithalbhai is a lesser known politician in the Indian freedom struggle, he had a huge role in the freedom movement.
		दाह्याभाई पटेल - Dahyabhai Patel	

16	सरदार पटेल ने कितने रजवाड़ों का भारतीय संघ में एकीकरण किया ?	562	सरदार पटेल ने अपनी कूटनीतिक कुशलता, दूरदृष्टि और दृढ़ नीतियों के कारण प्रजातांत्रिक भारतीय संघ में 565 राजवाड़ों के एकीकरण को प्रभावी तरीके से व्यवस्थित किया। समस्या कठिन और संवेदनशील थी। लेकिन सरदार ने न्यूनतम हिंसा के साथ यह उपलब्धि अर्जित की।
	Sardar Patel brought about the integration of how many princely states into Indian union?	565	Sardar Patel with his diplomatic skills, foresightedness and iron handed policy effectively handled the accession and integration of 565 princely states into democratic Indian Union. The problem was difficult and delicate. But Sardar achieved this with a minimum of bloodshed.
		578	

17	'नौलखा महल' में एक ब्रैकेट आकृति। वर्तमान में यह गुजरात के काठियावाड़ प्रायद्वीप में स्थित है। यह जगह 1947 के पहले निम्नलिखित रियासत के अंतर्गत आता था	गोंडल रियासत - Gondal State	18वीं शताब्दी (1748) के भारत में विद्यमान प्राचीनतम महल गोंडल में नौलखा महल है जिस पर मूर्ति के आकार का मोहरा है जो कि दरबारगढ़ किला परिसर का हिस्सा है। इसका नामकरण "नौलखा" है जिसका अर्थ है 9 लाख रूपये जो उस समय इमारत की कीमत थी। इसमें पत्थर की नक़्क़ाशी सहित झरोखे, एक स्तंभ सहित आंगन, सूक्ष्मतापूर्वक नक़्क़ाशी युक्त मेहराब और एक अनोखी सर्पिल सीढ़ी है।

	A bracket figure at the ‘Naulakha Palace’. It is currently situated in the Kathiawar peninsula of Gujarat. This palace belongs to which of the following princely states before 1947?	राजकोट रियासत - Rajkot State	The Naulakha Palace, the oldest extant palace in Gondal, India, dating back to the 18th century (1748), with a "sculpted facade"is a part of the Darbargardh fort complex. It is named "Navalakaha" meaning rupees "nine lakhs" (Rs. 9,00,000) which was the cost of building it at that time. It has stone carvings with "jharokhas" (balconies), a pillared courtyard, delicately carved arches, and a unique spiral staircase.
		भावनगर रियासत - Bhavnagar State	

18	'मध्य' में अलंकृत कुर्सी पर बैठे व्यक्ति कौन हैं ?	हैदराबाद के निज़ाम - Nizam of Hydrabad	जूनागढ़ के नवाब, बहादुर खान III (अलंकृत कुर्सी पर मध्य में बैठे) को राजकीय अधिकारियों और परिवार के साथ 1885 के एक फोटोग्राफ में दिखाया गया है । जूनागढ़ में राज की यथास्थिति पर एक जनमत संग्रह कराया गया। 20 फरवरी, 1948 को यह जनमत संग्रह कराया गया। 200,000 से अधिक लोगों ने मतदान किया, 91% लोगों ने भारत का चयन किया। 20 जनवरी, 1949 को जूनागढ़ को भारत में शामिल कर लिया गया। सरदार पटेल ने जूनागढ़ के अधिग्रहण में प्रमुख भूमिका निभायी ।
	Who is at the ‘Centre’ in an ornate chair?	पटियाला के महाराज - Maharaja of Patiala	The Nawab of Junagarh, Bahadur Khan III (seating at centre in an ornate chair) shown in an 1885 photograph with state officials and family. In Junagarh a public referendum on the status of the state was called for. The referendum held on February 20, 1948. Of over 200,000 people voted, 91% to choose India. Junagadh was merged into India on January 20, 1949. Sardar Patel played the key role in acceding Junagadh.
		जूनागढ़ के नवाब - Nawab of Junagadh	

19	ब्रिटिश राज के दौरान किसी रियासत का यह एक रूपये का सिक्का है। यह निम्न में से किस राज्य से संबद्ध है ?	बड़ौदा - Baroda	बड़ौदा के सयाजी राव III का चाँदी का रूपया जिसमें उनकी तस्वीर है । विक्रम संवत 1955 इस सिक्के पर अंकित है जो सन् 1897 के बराबर है। सयाजी राव गायकवाड़ III (11 मार्च, 1863 - 6 फरवरी, 1939) गायकवाड़ राज परिवार से संबद्ध थे । वे 1875 से 1939 तक बड़ौदा राज के सर्वाधिक दिनों तक महाराजा रहे और उन्हें विशिष्ट एवं दूरदर्शी सामाजिक सुधारों के लिए मुख्य रूप से याद किया जाता है।
	This is a One rupee coin of a Princely State during British Raj. It belongs to which of the following states?	ग्वालियर - Gwalior	Silver rupee of Sayaji Rao III of Baroda, showing his portrait. This coin is dated 1955 in the Vikrama era, which is equivalent to 1897 AD. Sayajirao Gaekwad III (11 March 1863 – 6 February 1939) belonged to the royal Gaekwad dynasty. He was the longest serving Maharaja of Baroda State from 1875 to 1939 and notably remembered for his unique and farsighted social reform.
		राजपुताना - Rajputana	

20	सरदार पटेलयह के साथ खड़ी महिला कौन है ?	मणिबेन - Maniben	मणिबेन सरदार पटेल की इकलौती पुत्री थीं । उन्होंने 1918 में महात्मा गाँधी के उपदेशों को अपनाया और अहमदाबाद में उनके आश्रम में नियमित काम करना शुरू किया । वे भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन में एक कार्यकर्ता तथा भारतीय संसद की सदस्या भी थीं । मात्र उन्होंने सरदार पटेल की मृत्यु पर्यन्त सेवा की।
	Who is the lady with Sardar Patel?	झावेरबा - Jhaverba	Maniben was the only daughter of Sardar Vallabhbhai Patel. She adopted the teachings of Mahatma Gandhi in 1918, and started working regularly at his ashram in Ahmedabad. She was also an activist in the Indian independence movement and a Member of the Indian parliament. She only looked after Sarder till he breathed his last.
		लाडबा देवी - Ladba Devi	

con